

उक्त अधिसूचना में क्रम संख्या 27 और उसमें सम्बन्धित प्रविष्टि के पञ्चाङ्ग निम्नलिखित अंतः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

“27 क श्री एच. हनुमन्थप्पा, एम.पी. एच. 12, मीना बाग, अधिनियम की प्रायः 4(3) (जे.) के अधीन केन्द्र सरकार द्वारा नामनिर्दिष्ट”।

[एफ.नं. 25012/11/88-सिल्क]

बिबेक कुमार अग्निहोत्री, विकास प्रावधान हथकरघा
एवं संयुक्त सचिव,

MINISTRY OF TEXTILES

NOTIFICATION

New Delhi, 25th August, 1988

S. O. 810 (E):- In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 4 of the Central Silk Board Act, 1948 (61 of 1948), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Textiles No. S. O. 747 (E) dated 9th August, 1988:-

In the said notification, after serial No. 27 and the entry relating thereto, the following shall be inserted, namely:-

“27A	Shri H. Hanumanthappa, MP H-12 Meena Bagh, New Delhi. 110011.	Nominated by the Central Government under section 4(3) (j) of the Act”.
------	---	---

[F. No. 25012/11/88-Silk]

V. K. AGNIHOTRI, Development Commissioner Handlooms
and Jt. Secy.



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 434]

नई दिल्ली, सोमवार, अगस्त 29, 1988/भाद्रपद 7, 1910

No. 434]

NEW DELHI, MONDAY, AUGUST 29, 1988/BHADRA 7, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 26 अगस्त, 1988

अधिसूचनाएं

का.भा. 811 (अ).—केंद्रीय सरकार, मित्का निर्माण अधिनियम, 1906 (1906 का 3) की धारा के मातृ पठित धारा 21 की उप धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) की अधिवृत्ता सं. का.भा. 143(अ), तारीख 4 फरवरी, 1988 को अधिकृत करते हुए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ:—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम पचास पैसे, पच्चीस पैसे और दस पैसे के (जिनमें 82 प्रतिशत लोहा और 18 प्रतिशत क्रोमियम होगा) मिश्रकों का निर्माण (फेरिटिक स्टेनलेस स्टील के मिश्रकों का मानक वजन और उपचार) नियम, 1988 है।

(2) ये नियम राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. कनिष्ठ मूल्य वर्ग के मिश्रकों का मानक वजन और अनुज्ञात उपचार:—मित्का निर्माण अधिनियम, 1906 (1906 का 3) की धारा 6 के अधीन नीचे की सारणी के स्तम्भ (1) में विनिर्दिष्ट मूल्य वर्गों में जारी किए जाने वाले फेरिटिक स्टेनलेस स्टील मिश्रकों का मानक वजन और ऐसे मिश्रकों के ढालने में अनुज्ञात उपचार वह होगा जो उक्त सारणी के स्तम्भ (2) और (3) में तदनुसृत प्रविष्टियों में विनिर्दिष्ट हैं।